विश्व रेडक्रोस दिवस-२०१७ की पूर्व संध्या पर माननीय राज्यपाल श्री ओ. पी. कोहली जी का संदेश।

राजभवन, 7 मई, 2017

8 मई को विश्वभर में मनाए जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रोस एवं रेडक्रिसेन्ट दिवस की पूर्व संध्या पर गुजरात के सभी नागरिकों को संबोधित करते हुए मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है।

जैसा कि हम सभी को सु-विदित है कि 8 मई रेडक्रोस संस्था के संस्थापक सर हेनेरी डयुनान्ट का जन्म दिवस है। प्रति वर्ष 8 मई को उनका जन्म दिवस अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रोस फैडरेशन तथा रेडक्रोस की अन्तर्राष्ट्रीय समिति द्वारा किसी एक महत्वपूर्ण विषयवस्तु को लेकर "विश्व रेडक्रोस दिवस" के रूप में मनाये जाने की परंपरा रही है।

इस वर्ष विश्व रेडक्रोस/रेड क्रेसेन्ट दिवस का विषय है : "कम ज्ञातवाली रेडक्रोस की कहानियां"। इसका मुख्य उद्देश्य रेडक्रोस की उन चीजों को उजागर करना है जिसे रेडक्रोस संस्था कैसे मूल/ अभिनव एवं असामान्य दृष्टिकोण से मानवीय चुनौंतियां को संबोधित कर रही है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए रेडक्रोस कर्मी और स्वयंसेवकों को अनसुनी कहानियों के माध्यम से अपने आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाना है और प्रोत्साहित करना है। ऐसी सफल कहानियों का संस्था द्वारा जन साधारण की जानकारी के लिए व्यापक तौर पर प्रचार किया जायेगा। ये

कहानियां दुनिया के हर एक कोने और लोगों के बीच रेडक्रोस और उसके द्वारा की जा रही मानवतावादी सेवाओं के बारे में जागरूक्ता पैदा करेंगी और साथ ही उन को रेडक्रोस की कल्याणकारी सेवाओं के साथ नजदीक से जुड़ने के लिए प्रेरित भी करेगी।

स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम में गुजरात देशभर में अग्रिम स्थान पर है और उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। गुजरात रेडक्रोस एक अग्रणी समाजसेवी संस्था है जो मानव सेवा के कार्य जरूरतमंद तथा कमजोर तबके के लोगों के लिए अविरत करती आ रही है। रेडक्रोस के द्वारा राज्यभर में स्वैच्छिक रक्तदान केन्द्रों द्वारा करीब १.५ लाख यूनिट सुरक्षित रक्त जरूरतमंद मरीजों को उपलब्ध कराया जाता है। हर साल हजारों की संख्या में जरूरतमंद बच्चों का नि: शुल्क ब्लड ट्रान्स्फ्युजन किया जाता है। गुजरात रेडक्रोस के द्वारा चलाया जा रहा थैलेसिमीया एवं सिकलसेल ऐनेमिया रोकथाम कार्यक्रम सफलता पूर्वक क्रियान्वयन हो रहा है।

रेडक्रोस के द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं, प्राथमिक उपचार एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, जुनियर एवं यूथ रेडक्रोस कार्यक्रम, आर्टीफीश्यल लिम्ब सेन्टर, टीबी नियंत्रण प्रकल्प, फिजीयोथेरापी एवं सेरिब्रल पाल्सी सेन्टर आदि चलाये जा रहे हैं। रेडक्रोस में वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर "वात्सल्य" सफलता पूर्वक चल रहा है, जिसमें 35 वरिष्ठजन सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ निवास कर रहे हैं।

रेडक्रोस की जिला एवं तहसील शाखाएं–चिकित्सालय, प्रयोगशाला, मातृत्व एवं परिवार कल्याण केन्द्र, फिजीयोथेरापी केन्द्र और टीकाकरण केन्द्र इत्यादि के साथ संलग्न हैं, जिससे अधिक संख्या में जरूरतमंद लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त रेडक्रोस शाखाएं चक्षुदान एवं देहदान, HIV/AIDS निदान, कैन्सर, टीबी और ऐसी दूसरी जानलेवा बीमारियों के प्रति जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जूनियर और यूथ रेडक्रोस कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी और युवा बड़ी संख्या में मानवतावादी कार्यो में अपनी अर्थपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित तथा प्रोत्साहित हो रहे है।

संस्था ने अपने थेलेसिमीया और सिकलसेल एनेमिया प्रिवेन्शन कार्यक्राम के अंतर्गत महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस परियोजना के तहत गुजरात को थेलेसिमीया मुक्त बनाने का उद्देश्य है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत २५ लाख से अधिक लोगों-युवा/छात्र और वनवासियों की जाँच की जा चुकी है।

आपदा प्रबंधन में गुजरात रेडक्रोस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। तमाम जिला एवं तहसील शाखाओं के समन्वय से प्राथमिक चिकित्सा, आपदा पूर्व तैयारियां, आपदा प्रतिक्रिया आदि के प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षित स्वयं सेवकों को आपदा के दौरान सेवा देने के लिये तैयार करना है। रेडक्रोस राज्य शाखा और जिला/तहसील शाखाएँ स्वास्थ्य एवं नागरिक कल्याण क्षेत्र में राज्य सरकार के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सक्रिय

भागीदारी निभा रही हैं। २६५ शिक्षा संस्थाओं के ३६,३१६ पंजीकृत स्कूल-कॉलेज छात्र विभिन्न रेडक्रॉस कार्य जैसे कि प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, रक्तदान संबंधी उत्साह वर्धक कार्य, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के कार्यों में सक्रिय भाग ले रहे हैं।

गुजरात रेडक्रोस द्वारा संचालित फिजियोथेरापी सेन्टरों द्वारा १४३३० जरूरतमंद लोगों का इलाज किया जा रहा है। सेरेब्रल पाल्सीग्रसित बच्चों का रेडक्रोस सेरेब्रल पाल्सी सेन्टर में उत्कृष्टता से इलाज हो रहा है, जहाँ आवश्यक आधुनिक उपकरण मौजूद हैं। टी. बी. निवारण परियोजना के अंतर्गत २४२ श्रेणी-२ टी. बी. के मरीज स्वस्थ हुए हैं। रेडक्रोस आर्टीफिश्यल लिम्ब सेन्टर जरूरतमंद लाभार्थिओं को कृत्रिम अंग एवं उपकरण आदि प्रदान कर रहा है, जिससे उन्हें स्वसमर्थ होने में मदद मिल रही है।

बड़ी संख्या में लोग जिसमें व्यक्ति, कोर्पोरेट संस्थान के कर्मचारी, कारखानों के कर्मी आदि शामिल हैं, उन सभी को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया गया है। इसके इलावा ११२ चक्रवात प्रवण गावों के २५०० गांववासिओं को राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम शमन कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण दिया गया है।

आज के इस अवसर पर मैं सभी रेडक्रोस कार्यकर्ता, स्वयंसेवकों, युवाओं और नागरिकों से आग्रह करना चाहूँगा कि वे रेडक्रोस संस्था के मानवीय सेवाकार्यों

में आगे बढ़कर सहयोगी बनें और समाज के दु:खी-पीड़ित बन्धुओं की सेवा में अपने सामाजिक कर्तव्य का निर्वाह करें।

मानवीय करूणा एवं संवेदना के साथ परमार्थ के उन्नत भाव से योगदान दे रहे और तुलसीदास जी की सूक्ति - "परहित सरिस धरम नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई" को सार्थक कर रहे, ऐसे सभी रेडक्रॉस के कर्मशीलों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

धन्यवाद। जय हिन्द।